आध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी : आत्मप्रियानंद

विशेष संवाददाता, रांची

योग करते आइआइएम के विद्यार्थी.

□ आइआइएम रांची में योग शिविर लगा

आइआइएम रांची में तीन दिवसीय योग शिविर की शुरुआत शुक्रवार को की गयी. ह्यूमन कनेक्ट के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना है. शिविर का आयोजन रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान बेलूर मठ के सहयोग से किया गया. मौके पर बैलूर मठ के स्वामी आत्मप्रियानंद ने ऑनलाइन माध्यम से समग्र शिक्षा देने के लिए आधुनिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा को शामिल करने पर जोर दिया.

अजात चैतन्य ने कहा कि मनुष्य एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्राणी है. योग तीनों के संतुलित विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है. योग हमारे अंदर की उत्तेजना और बेचैनी को कम करता है. साथ ही हमें एक शांत, सार्थक और केंद्रित जीवन जीने के मार्ग पर स्थापित करता है. निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि योग हमें प्रकृति के साथ जुड़ने और एक होने की अनुमति देता है. उन्होंने विद्यार्थियों से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान का सहारा लेने के लिए कहा. इससे पूर्व स्वामी भावेशानंद ने आध्यात्मिक वैदिक मंत्रोच्चारण से इसकी शुरुआत की. उन्होंने बताया कि कैसे योग का अंतिम लक्ष्य किसी के व्यक्तित्व को वास्तविक व्यक्तित्व से जोड़ना है. उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे समाज को वापस देने के लिए अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग करें. इस अवसर पर स्वामी समर्पणानंद, स्वामी कालेशानंद, प्रो मनीष कुमार सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे.

Prabhat Khabar_04.02.2023_Pg. 06.